पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

हम ये बात आपसे इसलिए कहना चाहते हैं क्योंकि हम इस दुनिया में जिस चीज़ का भी अभ्यास कर रहे हैं, चाहे वो अच्छा है या बुरा, मन तो उसे करता ही जा रहा है, क्योंकि मन को देने वाले हम हैं। तो उसे कुछ उल्टा-सुल्टा कहना कि हमारा मन ऐसा सोच रहा है, नहीं, हम ऐसा सोच रहे हैं। दुनिया में कहा जाता है 'प्रैक्टिस मेक्स ए मैन परफेक्ट' लेकिन हमारे हिसाब से ये बात यहां पर गलत सिद्ध होती है, क्योंकि 'प्रैक्टिस डज़ नॉट ए मैन परफेक्ट, ऑनली परफेक्ट प्रैक्टिस मेक्स ए मैन परफेक्ट'। इससे सिद्ध होता है कि हमें अपने जीवन में सफल होने के लिए परफेक्ट प्रैक्टिस करनी है न कि प्रैक्टिस। तो सभी कहने लग जाते हैं कि इसका मतलब ये हुआ कि अगर हम पॉज़ीटिव थिंकिंग रखें, सकारात्मक सोचें, तो क्या उससे हम सफल हो जायेंगे? तो इसमें भी एक बहुत बड़ा जाल आ जाता है। वैसे सकारात्मक सोचने से सफलता कभी नहीं मिलेगी, लेकिन सकारात्मक सोच सकारात्मक कर्म के साथ अगर किया जाये तो ये आपकी सफलता की उम्मीदों को बढ़ा सकता है। ये नहीं कि आप सफल हो जायेंगे,

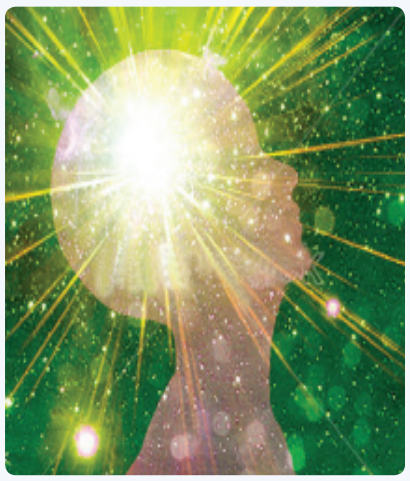

अच्छी आदतें मुश्किल से आती हैं, परंतु उसके साथ जीना आसान होता है और बुरी आदतें आसानी से आती हैं और उनके साथ जीना मुश्किल है। हर जगह गलत हो रहा है, प्रैक्टिस ही गलत हो रही है, क्योंकि लोग गलती का अभ्यास कर रहे हैं, बुरी बातों का अभ्यास, उल्टी-सुल्टी चीज़ों का अभ्यास कर रहे हैं, इसलिए उनके साथ ऐसा ही होता जा रहा है।

लेकिन ये आपकी सफलता की ओर आपका पहला कदम होगा। हमारे हिसाब से या अनुभव के आधार से हम आपको समझाना चाहेंगे, कि जीवन में सफलता के कई मायने हैं, जहाँ तक हमें याद है, सफलता जीवन का एक पड़ाव है, लेकिन उस पड़ाव में छोटी छोटी भौतिक चीज़ों को प्राप्त करने को ही सफलता मानते चले आते हैं। लेकिन अगर एक लाइन में कहें तो सफलता चरित्र से आती है न कि चित्र से। यहाँ चित्र का भावार्थ ये है कि अगर किसी को हम अपना आदर्श बनाते हैं, जो सफल हुए, तो उन्होंने अपने जीवन में ऐसी ऐसी चीज़ें की, इसलिए वे सफल हुए, लेकिन उनके उस चीज को करने के पीछे उनका भाव क्या था ये सबकी समझ से परे है। सफल तो दुनिया में बहुत से लोग हैं, लेकिन उदाहरण के रूप में कुछ लोग हैं जिन्होंने अपने चरित्र के हिसाब से स्वयं को सफल बनाया, जिसमें गांधी जी का नाम लिया जा सकता है। उनका उद्देश्य ही उनका टाइटल बन गया है, जैसे कहीं नॉन वायलेंस का नाम हो तो लोग गांधी जी को ही याद करेंगे। तो इसका मतलब अहिंसा और गांधी जी को हम अलग नहीं कर सकते। ये है श्रेष्ठ चरित्र के साथ सफल जीवन। तो मन को जब भी आप कुछ दें, तो वो सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक कर्म तथा उसके निरंतर अभ्यास के आधार से ही सफलता हाथ लगेगी। हम अपने कार्य को छोटे छोटे हिस्सों में बांटकर उसके ऊपर सकारात्मक सोच, सकारात्मक कर्म करके छोटी छोटी सफलतायें अर्जित करें तो हम मन को शक्तिशाली बना सकते हैं। यही जीवन है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-18 (2017-2018)

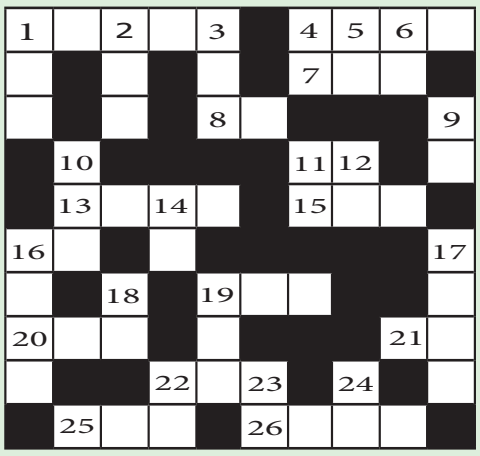

ऊपर से नीचे

1. विचार, इरादा, प्रतिज्ञा (3)
2. माला का दाना, गुरिया (3)
3. विघ्न हर्ता, बुद्धि दाता (3)
4. रात, रजनी, रात्रि (2)
5. समूह नृत्य, नर्तन, सतयुगी नृत्य (2)
6. कर्ण, श्रवणेन्द्रिय (2)
9. प्यार, मोहब्बत, स्नेह (2)
10. सुधारस, बाप तुम बच्चों पर ज्ञान....के छींटे डाल सुरजीत करते हैं (3)
11. अर्ध, अधूरा (2)
12. हाथ, हस्त (2)
14. भरपूर, सन्तुष्ट (2)
16. प्रसिद्ध, नामीग्रामी (4)
17. ब्रह्मा बाबा की कर्मभूमि (4)
18. पुत्रवधु, पतोहू, पत्नी (2)
19. इच्छा, कामना, तमन्ना (3)
22. हार, पराजित (2)
23. ....बट वन (2)
24. सरिता, ...ना अपना जल पीती (2)

बायें से दायें

1. बाप-बच्चों के मिलने का युग (5)
4. ....बाबा आ जाओ, हमारी जैसी कार में, शिव बाबा का स्वरूप (4)
7. राज्य, हुकूमत (3)
8. ताकत, बल, पराक्रम (2)
11. शिव पर चढ़ने वाला एक फूल (2)
13. भ्रम, पूरी न होने वाली इच्छा (4)
15. तीसरी सब्जेक्ट, धारण करने की शक्ति (3)
16. राय, विचार, सम्मति (2)
19. भोजन, खाना, ग्रास (3)
20. पूर्ववत, ड्रामा.... रिपीट होता है (3)
21. खुदा, ईश्वर, भगवान (2)
22. एक प्रकार की ड्राई फ्रूट की टोली (3)
25. संकट, आपदा, मुसीबत (3)
26. समीप, पास, करीब (4)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 1
अक्तूबर - 1 ओम - 13
2017 - 2018
ऊपर से नीचे
2. खबर, 3. रज, 4. सर, 5. दास, 7. हकदार, 8. परवरिश, 9. खफा, 11. वज्र, 13. परख, 15. नया, 17. सूर, 18. सुजाग, 20. सतयुग, 21. प्रलय, 22. वैभव, 24. आदाब, 25. चाह, 28. राज, 29. मरा।
बायें से दायें
1. अखबार, 4. सम्प्रदाय, 6. जहर, 8. परख, 10. दानव, 12. फायदा, 13. मासी, 14. वन, 16. रसूल, 19. रियासत, 21. प्रजा, 23. लगन, 24. आयु, 25. चाय, 26. दाग, 27. वजह, 28. राम, 30. सब, 31. सिजरा।

पहेली - 2
अक्तूबर - 2 ओम - 14
2017 - 2018
ऊपर से नीचे
1. शुमारी, 2. तुला, 3. मुख्य, 5. निशानी, 7. भगत, 8. गजब, 9. संगी, 10. पार, 11. साधु, 13. काम, 14. कचरा, 15. मरजीवा, 16. नाज, 18. बाहुबल, 19. सिया, 20. देव, 23. सुल, 24. संयोग, 25. दर, 26. दस, 27. लत।
बायें से दायें
1. शतुरमुर्ग, 4. सजनियां, 6. माला, 9. संग, 10. पानी, 11. साज, 12. गीतकार, 15. मधुबन, 16. नाच, 17. बाबा, 19. सिजरा, 21. हुलिया, 22. वासुदेव, 25. दलदल, 28. हथियार, 29. सतयुग।

पहेली - 3
नवम्बर - 1 ओम - 15
2017 - 2018
ऊपर से नीचे
1. देवता, 2. विधाता, 3. तालीम, 4. बास, 6. नतमस्तक, 8. कमजोरी, 10. नामवर, 12. तरफ, 16. मस्त, 17. नाजुक, 20. मन, 21. अतृप्त, 23. महज, 24. रस, 27. बहाना, 29. माता, 30. जल।
बायें से दायें
1. देहधारी, 2. विशेषता, 4. बाधा, 5. लीन, 7. ताकत, 9. सताना, 11. मत, 13. मर्ज, 14. जोकर, 15. शव, 16. मस्त, 17. नारी, 18. फल, 19. रमणीक, 22. कमजोर, 25. तृष्णा, 26. कब, 28. समाप्त, 31. रजत, 32. उलझना।

पहेली - 4
नवम्बर - 2 ओम - 16
2017 - 2018
ऊपर से नीचे
1. गरीबनिवाज़, 2. तकरार, 3. ग्रहण, 4. चाहत, 6. लव, 7. मदीना, 8. मरना, 11. कम, 13. खास, 14. निवारण, 17. पराकाष्ठा, 18. नाम, 21. विकल्प, 22. मर्म, 25. गरीब, 26. योनियां, 27. राव, 29. धाक।
बायें से दायें -1. गलत, 3. ग्रहचारी, 5. कलह, 7. मम, 9. रावण, 10. तकदीर, 12. निखार, 15. मनाना, 16. वास, 17. परवाना, 19. सारा, 20. रमण, 23. कारण, 24. रंक, 25. गर्म, 28. नौधा, 30. नित, 31. बनावटी, 32. कमियां।

जयपुर-राजावास। 'ज्ञान दीप भवन' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए झारखंड की राज्यपाल द्रोपदी मुर्मू, दादी रतनमोहिनी, देवस्थान राज्यमंत्री राजकुमार रिणवा, ब्र.कु. मृत्युंजय, पार्षद गजानंद, मोहनलाल हेमानी, शर्मा जी, नथमल जी, ब्र.कु. सुष्मा, ब्र.कु. चंद्रकला तथा अन्य।

सुन्दर नगर-हि.प्र.। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के पश्चात् माननीय मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नवीना तथा ब्र.कु. दया। साथ हैं विधायक हीरा लाल व अन्य।

लंडन। ब्रह्माकुमारीज़ नेशनल सेंटर पर रिलीजन्स फॉर पीस यू.के. वुमेन ऑफ फेथ नेटवर्क तथा ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कम्मैशन इन एक्शन' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए प्रोग्राम डायरेक्टर ब्र.कु. मौरीन गुडमैन। सभा में रविन्दर कौर निज्जर,यू.के. वुमेन ऑफ फेथ नेटवर्क, हिलेरी राइट,मैरीज़ मील्स, सिंडी लैस, ब्र.कु. जॉर्जिना लॉन्ग,इंटरफेथ कोऑर्डिनेटर तथा अन्य।

राजसमंद-राज.। जे.के. टायर फेक्ट्री में 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. रामप्रकाश, ब्र.कु. रीटा, ब्र.कु. पूनम तथा स्टाफ।

बहुपुर-फतेहगढ़(उ.प्र.)। नवनिर्मित 'दिव्य अनुभूति भवन' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल, ब्र.कु. राधा, ब्र.कु. सुमन तथा ब्र.कु. शर्णिमा।

बरेली-उ.प्र.। 'सात अरब सत्कर्मों की महायोजना' कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. पार्वती। मंचासीन हैं आई.एम.ए. के अध्यक्ष डॉ. प्रमेन्द्र महेश्वरी, ब्र.कु. राम प्रकाश सिंघल,न्यूयॉर्क तथा ब्र.कु. नीता।